हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार, 14 जुलाई 2025

तापमान

अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 20.5 डिग्री

9 सावन के तीसरे दिन बारिश की झड़ी, कई इलाकों में जमकर बरसे बदरा

10 जाम में फंसा दिल्ली-जयपुर हाइवे, बनीपुर चौक पर कई किमी लंबा जाम

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। कैंप में मरीज को परामर्श देते हुए डा. कंचन यादव। फोटो :हरिभूमि

स्वास्थ्य कैंप में 92 लोगों ने करवाई जांच

रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में फ्री चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया, जिसमे मरीजों को ओपीडी सेवाएं व फ्री दवाईयां प्रदान की गई। कैंप में 92 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई। शिविर में डा. रविराव ने मेडिसन, डा. अजय यादव ने हड्डीरोग, डा. अभिनव राव ने सर्जरी, डा. कंचन यादव ने नेत्ररोग, डा. योगेन्द्र यादव ने चर्मरोग व डा. अजीत यादव ने बालरोग के रोगियों की जांच की। लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव ने कैंप में फिजियोथेरेपी की सेवाएं प्रदान की। कैंप के आयोजन में जसवंत सिंह यादव, शशिभूषण यादव,गोकल राम, राम सिंह व सभा के प्रवक्ता सतीश यादव ने सहयोग प्रदान किया।

युवती पर देह व्यापार का केस दर्ज

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने गत शनिवार को नाईवाली चौक पर की गई रेड के मामले में एक युवती के खिलाफ देह व्यापार कराने का केस दर्ज किया। पुलिस ने होटल पर बोगस ग्राहक बेचकर दो महिलाओं को काबू किया था। होटल संचालक के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया था। इस मामले में पुलिस ने बहरोड़ की रहने वाली एक युवती के खिलाफ भी केस दर्ज किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से जिस्म फिरोशी का धंधा कराने वाले होटल मालिकों में हड़कंप मचा हुआ है।

मारपीट मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

डहीना। सीहा में गत 2 जून को मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष के बयान पर कई आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। उन पर तोड़फोड़ करने के आरोपी भी लगाए थे। पुलिस ने इस मामले में सीहा निवासी राजबीर, प्रवीन व औलांत निवासी नितिन को गिरफ्तार कर लिया। तीनों को तफ्तीश में शामिल करने के बाद पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

चिल्हड़ के पास पड़ा मिला शव

रेवाड़ी। चिल्हड़ से हौज खास रोड पर रविवार सुबह 40 वर्षीय युवक का शव बरामद हुआ है। पुलिस को सूचना मिली थी कि सड़क किनारे शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने के बद सदर थाना पुलिस ने मौके पर जाकर शव कब्जे में ले लिया। सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया। मृतक की पहचान जाटू भूरथल निवासी मनोज के रूप में हुई है। वह घर से लापता हो गया था। मृतक के शरीर पर तारों से छिले होने के निशान पाए गए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

चोरी के मामले में नाबालिग गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना खोल पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया है। मनेठी में रहने वाले राजस्थान के मूल निवासी लालचंद की शिकायत पर गत 11 जुलाई को बाइक चोरी का केस दर्ज किया था। केस दर्ज होने के बाद आरोपी फरार हो गया था। पुलिस ने केस की जांच करते हुए यूपी के रहने वाले एक नाबालिग को अभिरक्षा में ले लिया। आरोपी से चोरी की बाइक बरामद करने के बाद जुवेनाइल कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा के तहत फरीदाबाद की बोस्टन जेल भेज दिया गया।

राज बब्बर ने आंदोलन पर चढ़ाया राजनीति का रंग

पैदल मार्च पर मौसम का खलल, अपेक्षित भीड़ नहीं पहुंची सचिवालय, एसडीएम को सीएम के नाम ज्ञापन

■ रामगढ़ भगवानपुर में अस्पताल की मांग को खुलकर समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। अस्पताल की मांग को लेकर पैदल मार्च कर सचिवालय पहुंचे ग्रामीण, पैदल मार्च के दौरान बरसात के पानी में से गुजरते ग्रामीण, पैदल मार्च में शामिल हुई महिलाएं।

रामगढ़ भगवानपुर में अस्पताल निर्माण की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच रविवार को जिला सचिवालय तक कूच करने के कार्यक्रम में हजारों की भीड़ एकत्रित करने के दावों की मौसम ने हवा निकाल दी। पैदल मार्च में शामिल लोगों की संख्या 5 सौ का आंकड़ा पार नहीं कर पाई। जिला सचिवालय पहुंचे ग्रामीणों ने कोसली के एसडीएम को सीएम के नाम का ज्ञापन दिया, जिसमें अस्पताल का निर्माण रामगढ़ भगवानपुर में ही कराए जाने की मांग की गई। इसी बीच पूर्व सांसद व कांग्रेसी नेता राज बब्बर ने पत्रकार वार्ता में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह पर निशाना साधकर अस्पताल की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन पर राजनीतिक रंग चढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पैदल कूच कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोग रामगढ़ भगवानपुर में एकत्रित हुए। बारिश का मौसम होने के कारण हजारों की भीड़ तो नहीं जुट सकी, लेकिन बारिश के बावजूद ग्रामीणों की संख्या अच्छी रही। हाथों में पट्टियां लेकर रामगढ़ भगवानपुर व आसपास के आधा दर्जन से अधिक गांवों के लोग जिला सचिवालय पहुंचे, जहां उन्होंने सरपंच प्रतिनिधि अनिल कुमार के नेतृत्व में एसडीएम कोसली को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया है कि ग्राम पंचायत ने केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के गांव में 200 बेड का अस्पताल बनवाने के आश्वासन पर सरकार को लगभग 10 एकड़ जमीन वाटर वर्क्स निर्माण के लिए दी थी। अब ग्राम पंचायत 7 एकड़, 7 कनाल व 9 मरला जमीन अस्पताल के लिए सरकार को देने का प्रस्ताव पास कर चुकी है। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह अपने वायदे पर खरा नहीं उतर रहे हैं। उनकी बेटी दूसरे गांव में अस्पताल बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दे चुकी हैं। उनका गांव अस्पताल खोलने की हर कसौटी पर खरा उतर रहा है, इसलिए सरकार को उन्हीं के गांव में अस्पताल खुलवाना चाहिए।

रामगढ़ भगवानपुर गांव के बुजुर्ग हीरालाल व लालसिंह ने हरी झंडी दिखाकर पैदल मार्च को रवाना किया। जुलूस का नेतृत्व संयोजक अनिल कुमार सरपंच प्रतिनिधि ने किया। जन आवाज रथ सजा हुआ था, जिस पर धरने के दौरान हृदय गति रुकने से स्वर्ग सिधारे राव राममेहर सिंह की फोटो लगी थी। जो हक के लिए लड़ने का आवाहन कर रही थी। रामगढ़ भगवानपुर से प्रजापति चौक, अभय सिंह चौक के रास्ते सचिवालय पर पैदल मार्च का समापन किया गया। धरने को संबोधित करने वाले लोगों ने कहा कि संघर्ष समिति 15 दिन तक सरकार के सकारात्मक जवाब का इंतजार करेगी। इसके बाद इलाके के लोगों को एकजुट कर बड़े आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

रेवाड़ी। कांग्रेसी समर्थकों के साथ अभिनेता राज बब्बर। फोटो :हरिभूमि

राजा अपनी जुबान पर रहें कायमः राज बब्बर

वहीं दूसरी ओर जिमखाना क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व सांसद व के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ चुके कांग्रसी नेता राज बब्बर ने कहा कि राजा अपनी जुबान पर कायम रहते हैं। राव इंद्रजीत सिंह देश का पहला उदाहरण हैं, जो खुद केंद्र में मंत्री हैं और बेटी प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री। उन्होंने रामगढ़ भगवानपुर के लोगों से अस्पताल खुलवाने का आश्वासन दिया था, इसलिए उन्हें अपनी जुबान पर कायम रहते हुए इसी गांव में अस्पताल खुलवाना चाहिए। आरती राव को अपनी बेटी मानते हुए राज बब्बर ने कहा कि उनके प्रति जो टिप्पणी की गई है, उसके लिए वह खुद माफी मांगते हैं। राव इंद्रजीत सिंह भाजपा में इतने प्रभावी हैं कि उनके सामने सीएम तक जुबान नहीं खोलते। ऐसे में उन्हें इस गांव में अस्पताल खुलवाने में देरी नहीं करनी चाहिए। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता महेंद्र छाबड़ा भी उनके साथ मौजूद थे।

रेवाड़ी। जलभराव की स्थिति का अवलोकन करते हुए विधायक अनिल यादव ।

विधायक ने जलभराव क्षेत्रों का किया दौरा विभागों को पंप सेट लगाने के निर्देश

कोसली। कोसली क्षेत्र के गांवों में जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए ट्रैक्टर, मोटर पंप आदि मशीनरी लगाई जाएगी, जिसको लेकर सिंचाई तथा पंचायत विभाग को निर्देश दे दिए गए हैं। कोसली के विधायक अनिल यादव विभिन्न गांवों में जलभराव की स्थिति का अवलोकन करते हुए कहा कि मानसून सीजन में इस बार पिछले चार-पांच सालों के मुकाबले अधिक बारिश हो रही है। हालांकि सिंचाई विभाग ने जिले में सौ से अधिक स्थाई व मूवेबल पंप लगाए हुए हैं, लेकिन अब ये भी कम पड़ते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने मौके पर ही सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता एवं बीडीपीओ को पानी निकासी के लिए ठोस उपाय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गांव की गलियों में बारिश का पानी जाने से रोकने के लिए मनरेगा व जल संरक्षण कार्यक्रम के तहत कार्य किया जाए। ग्रामीणों ने बताया कि जलभराव होने की वजह से सड़कों का भारी नुकसान हुआ है। सड़क टूट कर बिखर चुकी हैं। विधायक ने हरियाणा राज्य सड़क विकास निगम के महाप्रबंधक को कोसली हलके में क्षतिग्रस्त सड़कों का पुनर्निर्माण कराने के निर्देश भी दिए।

कंपनी का रिकॉर्ड क्लियर करने के नाम पर ठगी का आरोपी गिरफ्तार

■ कोर्ट में पेश करने के बाद तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में साइबर ठगी का आरोपी राहुल पटेल।

धारूहेड़ा थाना पुलिस ने कंपनी का रिकॉर्ड क्लियर करने के नाम पर साइबर ठगी के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

गत वर्ष जून माह में मसानी निवासी सुलक्षा यादव ने धारूहेड़ा थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया था कि उसके पास एक 1 जून को अनजान नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले ने अपना नाम एडवोकेट विजय सिंह बताया था। उसने बताया कि फोर सोल्यूशन नामक कंपनी में ऑनलाइन काम नहीं करने के कारण उसे 6500 रुपये जमा कराने होंगे। इसके बाद कंपनी में उसका रिकॉर्ड क्लियर हो जाएगा। उसकी बातों में आकर उसने 6500 रुपये उसके बताए गए राहुल पटेल नामक व्यक्ति के खाते में जमा करा दिए। इसके बाद उसे झांसे में देकर दो बार में 32500 और 6000 रुपये जमा करा लिए गए। बाद में उसे साइबर ठगी का पता चला। धारूहेड़ा थाना पुलिस ने 12 जून 2024 को केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। इस मामले में पुलिस ने गुजरात के सूरत के जलाराम नगर निवासी राहुल पटेल को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट से तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि ठगी की रकम राहुल पटेल के खाते में ही गई थी। उससे पूछताछ के दौरान ठगी के अन्य मामलों का खुलासा होने की भी उम्मीद जताई जा रही है।

सीआईए धारूहेड़ा ने हथियार के साथ काबू किया आरोपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सीआईए धारूहेड़ा प्रभारी निरीक्षक योगेश हुड्डा की टीम ने अवैध हथियार रखने वालो के खिलाफ सख्त कार्यवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। सीआईए धारूहेड़ा को सूचना मिली थी कि पदैयावास निवासी श्योनाथ अपने पास अवैध हथियार रखता है। वह गढ़ी बोलनी रोड पर रेलवे फ्लाईओवर के नीचे अवैध हथियार के साथ मौजूद किसी का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलने के बाद सीआईए की टीम मौके पर पहुंच गई। वहां मौजूद एक शख्स ने सीआईए की टीम को देखकर भागने का प्रयास किया, परंतु सीआईए ने पीछा करते हुए काबू कर लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम श्योनाथ बताया। पुलिस ने उसकी तलाशी ली तो उसकी जेब से देशी कट्टा बरामद हुआ। आरोपी को मौके पर ही काबू कर लिया गया। इसके सीआईए ने उसके खिलाफ कसोला पुलिस थाने में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज करा दिया। पूछताछ के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेजने के आदेश दिए गए।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी श्योनाथ।

जीआरपी ने रेलवे प्लेटफार्म से काबू किए दो नशा तस्कर

रेवाड़ी। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जीआरपी ने कामयाबी हासिल की है। जीआरपी ने दिल्ली जाने की फिराक में प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर खड़े दो युवकों को पकड़कर उनके कब्जे से रॉयल क्लासिक ब्रांड की 30 बोतलें बरामद की। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान रोहित निवासी दमोह मध्य प्रदेश और गंगा सहाय निवासी सिवान बिहार के रूप में हुई है। जीआरपी एसआई सतपाल ने बताया कि नशे की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए रेलवे स्टेशन पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान पुलिस टीम को सफेद कट्टे में शराब छिपाए होने की सूचना मिली, जिस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को काबू किया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

फैक्ट्री से लाखों रुपये का सामान चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सिटी पुलिस ने दिल्ली रोड शिव नगर कॉलोनी में एक जंगला-चौखट बनाने की फैक्ट्री से लाखों रुपये का सामान चोरी करने के मामले में दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। चोरी किए गए सामान की बरामदगी के लिए आरोपियों को कोर्ट से रिमांड पर लिया गया है। पुलिस को दर्ज शिकायत में टीपी स्कीम निवासी रोकी जैन ने बताया कि उसने शिव नगर पार्ट-2 में एल्यूमिनियम के जंगले-चौखट बनाने की फैक्ट्री की हुई है। उसकी फैक्ट्री में राजस्थान के झिरंडिया निवासी सुनील और सचिन काम करते हैं। उसने आरोप लगाया कि दोनों कर्मचारी फैक्ट्री से 40 एसीपी सीट, 10 जाली, एल्यूमिनियम का सामान व स्क्रैप चोरी कर ले गए। चोरी किए गए सामान की कीमत करीब 3 लाख रुपये है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर 12 जुलाई को केस दर्ज कर लिया। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। रविवार को ड्यूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करने के बाद उन्हें रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान उनसे चोरी किया गया सामान बरामद किया जाएगा।

पुलिस ने दो कर्मचारी किए गिरफ्तार

एसपी ने लिया तैयारियों का जायजा, संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए

कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सावन माह शुरू होने के बाद शिवभक्त हरिद्वार से कांवड़ लाने के लिए कूच कर चुके हैं। अब कांवड़ियों के लौटने का सिलसिला जल्द शुरू होने वाला है। कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा को लेकर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद हो चुकी है। एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा ने यात्रा मार्गों की सुरक्षा का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। एसपी ने सबसे व्यस्त दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर कांवड़ यात्रियों के लिए सुरक्षा के पुख्ता प्रबंधों का जायजा लिया। इस मार्ग से प्रदेश के साथ-साथ राजस्थान के कांवड़िए भी बड़ी संख्या में गुजरते हैं। जैसलमेर हाइवे से भी बड़ी संख्या में कांवड़िए निकलते हैं, जबकि रोहतक हाइवे पर कांवड़ियों की संख्या काफी कम रहती है। एसपी ने एनएचएआई और संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर प्रबंधों में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। धार्मिक आस्था से जुड़ा होने के कारण कांवड़ियों की सुरक्षा के साथ-साथ उनकी सुविधाओं पर भी पूरा ध्यान देना चाहिए। कांवड़ यात्रा मार्ग पर पेयजल व चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाए, ताकि कांवड़ लाने वाले पदयात्रियों को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं आए। अक्सर सड़कों पर वाहन चालकों की लापरवाही के कारण कांवड़िए हादसों का शिकार हो जाते हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा के प्रबंधों में कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कांवड़ यात्रा के दौरान फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस गाड़ियां भी तैनात रखने के निर्देश दिए हैं। कांवड़ लाने वाले श्रद्धालुओं के लिए नेशनल हाइवे पर रस्सी बांधकर एक अलग लेन बनाई जा रही है, ताकि इस लेन से ही कांवड़िए गुजर सकें।

रेवाड़ी। कांवड़ यात्रा को लेकर हाइवे पर निरीक्षण करते एसपी। फोटो :हरिभूमि

सड़कों से दूर लगाएं सेवा शिविर

एसपी ने कांवड़ लाने वाले श्रद्धालुओं की सेवा के लिए लगाए जाने वाले शिविर सड़कों से 100 फीट की दूरी पर लगाने की सलाह दी है। एसपी मीणा ने बताया कि सड़क किनारे शिविर लगाने से हादसों की आशंका बनी रहती है। इससे शिविर लगाने और इनमें आराम करने वाले दोनों तरह के श्रद्धालुओं को खतरा बना रहता है, इसलिए शिविर सड़कों से दूर लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों के लिए अलग लेन की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही ट्रैफिक पुलिस और राइडर सेवा के जवान लगातार हाइवे पर गश्त करते हुए निगरानी करते रहेंगे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 तक ऑनलाइन आवेदन

रेवाड़ी। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक पोर्टल अवाडर्स.जीओवी.इन पर आवेदन किए जा सकते हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार बहादुरी, खेलकूद, सोशल साइंस, विज्ञान एवं तकनीकी, पर्यावरण सहित आर्ट एवं कल्चर के क्षेत्र में असाधारण उपलब्धि हासिल करने वाले 18 वर्ष तक आयु के बच्चे प्रदान किए जाते हैं। अगले साल जनवरी में आयोजित होने वाले समारोह में राष्ट्रपति की ओर से चयनित बच्चों को पुरस्कृत किया जाएगा। अवार्ड की घोषणा 26 दिसंबर को राष्ट्रीय वीर बाल दिवस के अवसर पर की जाएगी।

हरियाणवी गायन विधा

हरियाणा की लोक-गीत संस्कृति गीत, रागिनी व स्वांग तक ही सीमित नहीं है। इसमें 40 से भी अधिक गायन की विधाएं रही हैं। इनमें दोहा, काफिया (तीन पंक्ति), चौबोला, शिव स्तुति, सोहनी, झूलना, राधेश्याम, अली बख्श, ख्याल, निहाल दे, दौड़, साका, आल्हा, बहर-ए-तवील, नसीरा, बारहमासा, छंद, उलट बांसी आदि शैलियां शामिल हैं। हरियाणा की गायन शैलियों की यह विशेषता भी रही है कि विशेषकर महिलाओं के गीत मौसम के हिसाब से रचे जाते रहे हैं।

लखमीचंद का वाग्वैभव हरियाणा की शान

काव्य-प्रतिभा के बल पर सूर्यकवि कहलाए दादा लखमी

कविवर लखमीचंद कमाल के आशुकवि के तौर पर भी जाने जाते थे। हरियाणवी बोली को उनके योगदान को महत्वपूर्ण मानते हुए हरियाणा सरकार ने रोहतक में उनके नाम पर एक संस्थान भी खोला जिसका नाम है 'सुपवा' यानि पण्डित लखमी चन्द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट। उनके व्यक्तित्व की गरिमा को स्वीकारते हुए एक फिल्म भी बनी ' दादा लखमी' जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। सच पूछिए तो समाज आज भी प्रतीक्षा में है दोबारा उन जैसी शख्सियत को अपने यहां पाने की।

तद्रूप हो जाना या भावानुप्रवेश स्वांग की एक अनिवार्य शर्त है। किरदार को मनोयोग से निभा जाने में जो सक्षमता कविवर लखमीचंद ने दिखायी है, वह बड़ी विलक्षण है। पात्र चाहे नर का हो या नारी का, उसे निभाने में तदवत् हो जाना काफी सराहनीय माना जाता है।

15 जुलाई :जयंती विशेष

चंद्रशेखर शर्मा

जीवन और जगत से जुड़ी चर्चा ध्यान तो खींचती है सभी का किन्तु जब वह बात लोकोपयोगी सिद्ध हो जाती है तो एक साहित्य में स्थान पा जाती है। मैं कौन हूं, कहां से आया हूं, किस लिए आया हूँ ? ऐसे-ऐसे प्रश्न जनसाधारण को और बुद्धिजीवी वर्ग को कभी से सालते रहे हैं।

सम्पन्नता से भरे जीवन के बाद भी आत्मा तुष्टि के लिए संधान में जुटी रही है। यह आत्मा चूंकि उस अच्युत का ही अंश है अतः उसी के परम-स्वरूप का सान्निध्य पाने और उसी में लीन होने के लिए लालायित रहती है। हमारे समाज ने अच्छे-बुरे समय को देखा है पर उस समय में एकरसता का प्रसार करना, समाज में सौमनस्य स्थापित करने का कार्य जो हमारे साहित्यकारों ने किया है, उसे हम कथमपि न्यून नहीं कह सकते। हरियाणा की भूमि ने जहां राष्ट्रभाषा को समृद्ध करने वाले और सजग साहित्यकार दिए वहीं आंचलिकता को सम्पन्न करने वाली विभूतियां भी दीं। इन्हीं आंचलिक विभूतियों में एक नाम है कवि शिरोमणि दादा लखमीचंद का जो अपनी काव्य-प्रतिभा के बल पर सूर्य-कवि कहलाए। हम सभी जानते हैं कि जब सूर्योदय होता है तो आकाश के वो सितारे जो सूर्य के पीछे अपना अस्तित्व बनाए हुए हैं, दिखाई नहीं देते और न ही वो सितारे दिखायी देते हैं जो सूर्य से पहले दिखायी देते हैं। सूर्य का आलोक है ही ऐसा।

यह तथ्य है कि हरियाणा का कोई संस्कृति-प्रेमी अभागा-सा ही प्रतीत होता है जो पण्डित लखमी चंद के नाम से अपरिचित प्रमाणित होता है। उनका नाम प्रदेश के अग्रगण्य साहित्यकारों में आता है। उन्होंने अपनी कला का प्रदर्शन सांगों के माध्यम से किया। सांग (स्वांग) हरियाणा की प्रसिद्ध अभिव्यक्ति-शैली है जिसमें एक समृद्ध परम्परा साफ-साफ हमारे सामने आ खड़ी होती है। पन्द्रह जुलाई सन् 1903 को जिला सोनीपत के गांव जांटी में जन्मे पण्डित लखमीचंद अपठित थे पर अक्षर ज्ञान न होने के बावजूद भी उन्होंने लोकप्रियता के जिस स्तर को छूआ, उसे जानकर आज भी उनका व्यक्तित्व स्पृहणीय है। बेशक वो अपठित थे लेकिन बहुश्रुत होना उन्हें बड़ा रास आया था। दो-सौ रुपये प्रतिमाह पर दो ब्राह्मणों को केवल इसलिए रखा कि वे उन्हें श्रीमद्भागवत की कथा सुना दिया करें और श्रवणोपरान्त किसी शब्द का सही अर्थ बता दिया करें तथा किसी शंका का समाधान भी प्रस्तुत कर दिया करें। उनकी यह सार-संग्रही -वृत्ति उन्हें अग्रगण्य बना गई।

मण्ढाणा गांव के जिस दिव्य और सिद्ध पुरुष के यह बात पुष्ट हुई कि इस (लखमीचंद) से क्या प्रश्न पूछा जाय, इसके तो मुख पर साक्षात सरस्वती का वास है। वैसे मण्ढाणे वाले बाबा की सिद्धियों की मैंने भी अपने घर-परिवार में सुनी है। उनकी एक प्रति या भिवानी के किरोड़ीमल मन्दिर में देखी जा सकती है।

तद्रूप हो जाना या भावानुप्रवेश स्वांग की एक अनिवार्य शर्त है। किरदार को मनोयोग से निभा जाने में जो सक्षमता कविवर लखमीचंद ने दिखायी है, वह बड़ी विलक्षण है। पात्र चाहे नर का हो या नारी का, उसे निभाने में तदवत् हो जाना काफी सराहनीय माना जाता है। सेठ ताराचन्द्र, शाही लक्कड़हारा, नल-दमयंती, मीरा बाई आदि उनके जितने भी स्वांग हैं, उनमें पात्रों को जिस प्रकार से भाव मण्डित किया गया है, वह बेमिसाल है।

परम तत्त्व के साथ जुड़ जाने की तीव्र लालसा और संसार की इच्छाओं और आकर्षण के प्रति बिराग लिए घूमना व्यक्ति को व्यक्ति नहीं कुछ और ही बना देता है। ऐसी अवस्था में ये बोल मुख से निकल आएं तो क्या आश्चर्य कि

'लख चौरासी खतम हुई ना बीत कलप युग चार गए
कितनी मायां का दूध पी लिया मरते-मरते हार गए।'

ऐसे विचार किसी मुमुक्षु के ही हो सकते हैं। उनके विचार जो सामने आते हैं, उनका स्तर जन सामान्य के स्तर से कहीं ऊंचा है।

लौकिक व्यवहार को जानने वाले इस सच से वाकिफ होंगे कि प्रणय-सम्बंधों की जब शुरुआत होती है तो पहला कदम पुरुष को ही उठाना होता है किंतु सत्यवान और सावित्री के प्रसंग में यह हरकत, यह पेशकश सावित्री की ओर से आती है। 'फर फर, फर-फर फररर.. होरी हवा में उड़ता चीर तेरा' नामक रागनी नारी का नर के आगे प्रणय निवेदन करना देखने और सुनने वाले में रोचकता को भर देता है। 'मेरा कुणसा ढंग सुसराड़ जान का दमयंती भोली-भाली, कोए बुरा कहै कोए भला कहै कोए राम-राम बुरा दे गाली' कविताई को जानने वाले सहज ही अनुमान लगा लेते हैं कि शब्द पण्डित जी के आगे प्रार्थना कर रहे हैं, अपने चयन के लिए। अपनी काव्य-प्रतिभा के बल पर उन्होंने सामाजिक हित के बहुत कार्य किए। वैदिक पाठशाला खोलना, गोशालाएं खोलना, तालाब आदि खुदवाना जैसे बहुत से प्रशंसनीय कार्य उन्होंने किए। कुछ विवशताओं के चलते उन्हें शराब पीने की लत भी लगी, जिसका परिणाम यह हुआ कि उनका स्वास्थ्य निरन्तर गिरने लगा। गाँव कुमासपुर में जनता के भारी आग्रह पर उन्हें एक सांग में लाया गया था। उस स्थान पर लोगों ने उनकी अन्तिम उपस्थिति देखी थी। वर्ष 1945 में वो देदीप्यमान नक्षत्र इस संसार से विदा ले गया। उनकी वंश परम्परा में आज उनके पौत्र पण्डित विष्णुदत्त हैं। शिष्य परम्परा में कई नाम हैं, पर पण्डित मांगेराम उनके सर्वाधिक प्रिय सांगी हुए हैं।

कविवर लखमीचंद के व्यक्तित्त्व और कृतित्व का प्रभाव क्या कहिए, कई दृष्टांत ऐसे हैं जो अचम्भित करते हैं। जैसे ही समाज में यह खबर फैली कि पण्डित लखमीचंद अब इस दुनिया में नहीं रहे तो रोहतक के सोनीपत स्टैंड पर एक किसान ने चीखते हुए अपने ऊपर मिट्टी का तेल डाला और आग लगा ली, उसके ये शब्द -'हाय दादा! तेरे बिना कोन्या जिया ज्यावै।' वह कमाल के आशुकवि के तौर पर भी जाने जाते थे। हरियाणवी बोली को उनके योगदान को महत्वपूर्ण मानते हुए हरियाणा सरकार ने रोहतक में उनके नाम पर एक संस्थान भी खोला जिसका नाम है 'सुपवा' यानि पण्डित लखमी चन्द स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफार्मिंग एंड विजुअल आर्ट। आर्ट। उनके व्यक्तित्व की गरिमा को स्वीकारते हुए एक फिल्म भी बनी ' दादा लखमी' जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। सच पूछिए तो समाज आज भी प्रतीक्षा में है दोबारा उन जैसी शख्सियत को अपने यहां पाने की। फिर कोई पण्डित मान सिंह सरीखा गुरु आए और पण्डित लखमीचन्द्र जैसा शिष्य दे दे।

रागनी | **रामधारी खटकड़**

बेटी हिन्दुस्तान की

सुण बेटी हिन्दुस्तान की तू बहोत घणी होशियार
जगत म्हं हो नाम...हे तेरी चाहूं जय जयकार (टेक)

सामाजिक प्रदूषण बढग्या , इसनै दूर हटाईये बेटी
नशीली इस संस्कृति म्हं बिल्कुल खो ना जाईये बेटी
विज्ञापन की चमक-दमक तै अपणा गात बचाईये बेटी
गुण्डागर्दी छीनाझपटी जगह - जगह इब दीक्खै हे
बाजार गर्म है नंगेपण का , हर चैनल पै चीखै हे
मॉडल आळा सपना लेकै , नया ऐब ना सीखै हे
बुराई तै टकरा...और नया माहौल कर त्यार.....
जगत म्हं हो नाम.....

भगतसिंह की दुर्गा भाभी , तनै बणाणा चाहूँ सूं
शहीदां नै इस देश के अन्दर फेर बुलाणा चाहूँ सूं
भ्रष्टाचारी इस सिस्टम तै पिण्ड छुड़ाणा चाहूँ सूं
कमरे म्हं फिल्मी चित्र , बिल्कुल ना चिपकाईये हे
बिगड़ी जा रही शान देश की , इसनै ईब बचाईये हे
चन्द्रशेखर राजगुरू सुखदेव का फोटू लाईये हे
चाहिए सै हथियार....हे ले ज्ञान हथियार....
जगत म्हं हो नाम......

काला चश्मा तार आंख तै , आंख खुलैगी तेरी हे
नन्हीं - नन्हीं जान देश की ढाब्यां पै दुख खे री हे
बर्तन मलमल जिन्दगी को ये मुश्किल धक्का दे री हे
किते - किते गोदाम सड़ैं , किते भूखे बच्चे रोते हैं
टूक मिलै ना पेट भराई , सुबक - सुबक कै सोते हैं
भ्रष्टाचारी माणस देखो मिलकै नाव डुबोते हैं
मिलकै इसे बचा...ना तै डुब्बैगी मझधार......
जगत म्हं हो नाम.............

स्वाभिमान तै जीणा सीख , बात मेरी ले मान लाडली
हर क्षेत्र म्हं आगै बढकै , हिन्द की बणज्या शान लाडली
तेरे लबों से सुणना चाहूं , जागृति का गान लाडली
दुनियां म्हं म्हारी इज्जत बढज्या , ऐसे करिये काम हे
तेरा पिता मैं न्यूं चाहूं , तू म्हारा कर दे नाम हे
हम जीन्द जिले के रहणे आळे , खटकड़ सै म्हारा गाम हे
रामधारी नै तू गा....फेर नया बसै संसार.......
जगत म्हं हो नाम

रागनी | **पवन मित्तल**

कवि सै दरबारी कोन्या

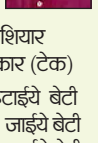

कवि सै दरबारी कोन्या, इतने अनाचारी कोन्या ।
सत्ता के पुजारी कोन्या, जो गीत उनके गाएं जां ।। टेक

कवि धोरै कवि आवैं , चलै ज्ञान के रगड़े
तर्कशास्त्र करने की खातिर , सारे होज्यां तगड़े
रहण दो सब झगड़े टंटे, छलकै उड़ै प्रेम के बंटे
होज्यां बारहा-बारहा घंटे , सुने जां सुनाये जां...1

सच्चाई तै लिखना म्हारा , ना भय कोए गम ना
सब दुनिया का भला चाहवै सै , हम किसै तै कम ना
चलै कलम जब भी म्हारे पै,चोरां की नाड़ धरी आरे पै
समता और भाईचारे पै , लिखे जां लिखाये जां...2

कवि धर्म एकाधां जाणै , बहोत मिलै बेवकूफ
बनकै भांड घणे हांडै सै , इसाए इनका भूप
फिर कोई नेताजी चाहिए,ना कमती ना बाहदू चाहिए
राजनीति का साधु चाहिए , जो बसे जां बसाए जां...3

पवन मित्तल कवियां म्हं रहकै , मन होग्या सै जोगी
डर भय का कोए काम नहीं , डरा करै सै भोगी
बामणवास का नाम करादे, जियानंद का भजन करादे
देश हित की रागनी करादे , गाएं जां बजाये जां....4

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

जागीर | **मराठों ने जार्ज थॉमस की बढ़ती शक्ति को देख अपने कमांडर जनरल पैरों को उस पर धावा बोलने के आदेश दिए**

जहाजगढ़ में 1801 में हुआ था भीषण युद्ध

इतिहास | **यशपाल गुलिया**

झज्जर के पश्चिम में स्थित जहाजगढ़ गांव के इर्द गिर्द महीने भर तक भीषण युद्ध हुआ था। दिल्ली दरबार पर मराठों का वर्चस्व कायम होने पर उन्होंने आयरलैंड वासी अपने एक कमांडर को झज्जर की जागीर प्रदान की थी। जार्ज थॉमस नामक यह अधिकारी कुछ ही महीनों में इतना शक्तिशाली बन गया कि उसने न केवल जहाजगढ़ में एक किला बना लिया बल्कि मराठों से स्वतन्त्र होकर अपना एक नया राज्य ही स्थापित कर लिया था। ये सभी गतिविधियां वर्ष 1794 से 1801 के मध्य की गई थी।

दिल्ली की तलहटी से लेकर हांसी-हिसार तक गठित अपने राज्य का नाम सर्वप्रथम हरियाणा उसी ने रखा था लेकिन उसके इतना बलशाली एवं स्वतन्त्र होने पर मराठों को दिल्ली के लिए खतरा अनुभव होने लग गया था। तब वर्ष 1801 में मराठा मुखिया सिंधिया ने अपने कमांडर जनरल पैरों को जार्ज पर धावा बोलने का आदेश दे दिया। लेकिन तब तक जार्ज थॉमस एक बड़ी सेना गठित कर चुका था। वह हांसी के किले में तोपे बनाने का कार्य कर चुका था। उसके तीन और स्थानों झज्जर, जहाजगढ़ तथा हांसी में पर्याप्त युद्ध सामग्री का संग्रह हो चुका था। मराठों तथा जार्ज दोनों की सेनाओं में यूरोपीय कमांडर नियुक्त थे। जनरल पैरो फ्रान्स देश का वासी था। अन्ततः वार्ता आदि के विफल रहने पर मराठा सेना ने लुईस बौरकीन के नेतृत्व में जार्ज के गढ़ जहाजगढ़ पर सितम्बर 1801 में आक्रमण कर दिया। जनरल पैरों स्वयं झज्जर तक आया तथा भरे खां नामक अधिकारी को झज्जर का प्रशासक बनाया गया। फिर बौरकीन व स्मीथ की सेना ने भारावास थली तथा माजरा गांव के पास कैम्प किया। उधर जार्ज भी हांसी का चार्ज रोहिला बटालियन को सौंपकर जहाजगढ़ किले में पहुंच गया और सितम्बर के अन्तिम सप्ताह से ही युद्ध आरम्भ हो गया। दोनो ओर से तोपें चलती रहीं। प्रायः प्रतिदिन युद्ध होने लग गया। जार्ज के पास भी तीन विश्वासपात्र युरोपीय कमांडर होपकीन, कैप्टन ब्रीच व कैप्टन हीयरसे थे। जिन्होंने मराठा सेना का महीने भर तक मुंहतोड़ जवाब दिया। तब मराठों के सामने ज्यादातर देशी शासक नतमस्तक होते थे, इसलिए जनरल के आग्रह से विभिन्न देशी शासकों की सैन्य सहायता भी जहाजगढ़ में पहुंच गई। इनमें सिख शासक गुरदत्त सिंह, गंगा सिंह, भाई लाल सिंह, ब्रजबन्दी सिंह, भरतपुर शासक रणजीत सिंह, हाथरस राजा रामधन सिंह, दोआब आमील रामदयाल तथा बेगम समरू के सैनिक जहाजगढ़ पहुंच गए। ऐसे में स्वयं आंकलन कर सकते हैं कि इतनी भारी भरकम सैन्य शक्ति का मुकाबला जार्ज ने किया था तो कितना भीषण युद्ध हुआ होगा। इस प्रकार सन 1801 का पूरा अक्टूबर महीना जहाजगढ़ के इर्द-गिर्द युद्ध हुआ। अन्त में जॉर्ज के किलेदार सिताब खां ने दुश्मन से मिलकर जहाजगढ़ के किले में आग लगा दी। तब बचे हुए अपने सैनिकों के साथ जार्ज 10 नवम्बर 1801 की रात को हांसी पलायन कर गया। मराठों की सम्मिलित सेना भी पीछा करती हुई एक सप्ताह बाद हांसी के बाहर पहुंच गई। 8-10 दिनों तक जार्ज की सेना ने हांसी में भी युद्ध किया। आखिर कुछ युरोपीय सैनिकों के परामर्श से जार्ज ने दिसम्बर 1801 में आत्मसमर्पण कर दिया। आश्चर्य की बात है कि उस भीषण ऐतिहासिक युद्ध का हरियाणा प्रदेश के शिक्षा विभाग की किसी भी पुस्तक में विवरण नहीं दिया गया है।

हिसार स्थित जॉर्ज कोठी जो जॉर्ज थॉमस का निवास स्थान थी, इसे वर्तमान में जहाज कोठी के नाम से जानते हैं।

हांसी के प्राचीन किले के अवशेष जहां जॉर्ज ने अपने राज्य की राजधानी स्थापित की।

लोक कला एवं संस्कृति अतीत की विरासत : डॉ. सीमा वत्स

कलाकार | **ओ.पी. पाल**

हरियाणवी संस्कृति में लोक कला एवं संगीत की परंपरा की विरासत को संजोने के लिए लोक कलाकार अपनी अलग-अलग विधाओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला के रंग बिखेर रहे हैं। ऐसे ही कलाकारों में महिला लोक कलाकार डा. सीमा वत्स भी कविताओं और गीत संगीत के साथ लोक नृत्य की कला को आगे बढ़ाने में जुटी हैं। अपनी लोक कला के जरिए वह लिंग भेदभाव, नारी विमर्श और सामाजिक सरोकार के मुद्दों को लेकर समाज को नई दिशा देने का प्रयास कर रही हैं। खासकर वह नई पीढ़ी को लोक कला एवं संस्कृति की शिक्षा देकर उन्हें अपनी परंपराओं से जुड़े रहने का भी संदेश दे रही हैं।

अपनी लोक नृत्य और गीत संगीत के सफर को लेकर एक शिक्षिका, कवयित्री और लोक कलाकार डा. सीमा वत्स ने बातचीत के दौरान कई ऐसे पहलुओं को भी रखा है, जिसमें लोक कला, संगीत और संस्कृति एक अतीत की विरासत ही नहीं है, बल्कि भविष्य का आधार भी हैं, जिससे अपनी संस्कृति को जीवंत रखने के साथ युवा पीढ़ी को आत्मिक, रचनात्मक और सामाजिक रूप से समृद्ध बनाना संभव है। हरियाणा की लोक कलाकार डा. सीमा वत्स (डॉ. सीमा रानी) का जन्म 4 मई 1981 को करनाल जिले के घरौंडा में मध्यमवर्गीय ब्राह्मण परिवार में हरिकिशन शर्मा और कमला देवी के घर में हुआ। घर परिवार में किसी तरह का साहित्यिक या सांस्कृतिक माहौल नहीं था, लेकिन घरों में तीज़ त्योहार शादी ब्याह आदि समारोह में गीत, संगीत, नृत्य, अभिनय जैसी कलाकारी देखने को जरूर मिलती रही। उनकी प्राइमरी से इंटरमिडिएट की शिक्षा सरकारी स्कूल में हुई। आर्य कॉलेज से स्नातक की शिक्षा ग्रहण करने के दौरान ही महज 19 साल की आयु में इनका विवाह हो गया और अगले वर्ष मातृत्व सुख और गृहस्थ जीवन की जिम्मेवारियों के साथ पढ़ाई को जारी रखना और लोक कला को जीवित रखना उनके लिए संघर्षशील रहा। चबचपन से ही उन्हें गीत संगीत की अभिरुचि के साथ साहित्यि का भी शौक था। उन्होंने एमएससी किया और दोबारा से एमए (अंग्रेजी) की शिक्षा पूरी की। इसके बाद वह पीएचडी पूरी करने में भी कामयाब रही। जीवन के ऐसे उतार-चढ़ाव के बीच उन्होंने लोक नृत्य विधा को अपने से दूर नहीं होने दिया। लोक संस्कृति में नृत्य और गीत की अभिरुचि के चलते ही उन्होंने ग्रेजुएशन में संगीत विषय को चुना था। बकौल डा. सीमा वत्स उनकी कला एवं साहित्यिक गतिविधियों तथा लेखन का फोकस सामाजिक सरोकार के मुद्दे रहे हैं। पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों का और भीख मांगते बच्चों का स्कूल में दाखिला, पर्यावरण संरक्षण के लिए भी कार्य कर रही हैं l डा. सीमा वत्स गीता जयंती, जिला स्तरीय कार्यक्रमों, कवि सम्मेलन और काव्य गोष्ठी, रेडियो आकाशवाणी आदि में अपने लोक नृत्य का प्रदर्शन कर चुकी हैं। उन्हें कार्यस्थल और घर की कक्षाओं में सांस्कृतिक प्रभारी और कोरियोग्राफर के अलावा जिला राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में कोरियोग्राफर के रूप में कार्य करने का भी अनुभव है।

पुरस्कार और सम्मान

लोक कलाकार डा. सीमा वत्स को लोक कला व संगीत में अनेक पुरस्कार व सम्मानों से नवाजा जा चुका है। भारत नेपाल साहित्य सम्मेलन में स्वर साधना मंच द्वारा उन्हें काव्य स्पंदन सम्मान से अलंकृत किया जा चुका है। वहीं उन्हें गोपाल दास नीरज साहित्य समूह साहित्य सम्मान, पंडित रामप्रसाद बिस्मिल सम्मान, कला सांस्कृतिक साहित्य सम्मान, सनिधा साहित्य श्री सम्मान, राष्ट्र शक्ति शिरोमणि सम्मान, बी एम बी एक्सीलेंस अवार्ड और लखनऊ में हेल्प यू नारी अस्मिता सम्मान से भी पुरस्कृत किया जा चुका है। इसके अलावा उन्हें सार्थक सेवा समिति, आशा रंगलाल जगदेव फाउंडेशन और श्री शक्ति स्वरूपा भव्य भारत की दिव्य विभूति जैसी संस्थाएं सम्मानित कर चुकी हैं।

आधुनिक युग में चुनौती

डा. सीमा वत्स का इस आधुनिक युग में लोक कला एवं संस्कृति के सामने चुनौतियों को लेकर कहना है कि इंटरनेट व सोशल मीडिया के प्रभाव, लोक कला, रंगमंच, अभिनय, संस्कृति और साहित्य जैसी परंपरागत विधाओं में देखा जा रहा है। खासकर युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति से दूर होती जा रही है, जिसके कारण पहले की तुलना में कला एवं संस्कृति के प्रति रुचि कुछ कम होना स्वाभाविक है। खासतौर से डिजिटल युग में पारंपरिक कलाओं की जगह आधुनिक, तकनीकी और त्वरित मनोरंजन के साधन बन गये और युवाओं को ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, सोशल मीडिया, गेमिंग और रील्स जैसी चीजें भाने लगी हैं। जबकि लोक कला या साहित्य जैसे क्षेत्र ही समाज को सकारात्मक ऊर्जा और अपनी संस्कृति से जोड़े रखता है। ऐसे में आवश्यकता है कि युवाओं को साहित्य और लोक कला व संस्कृति के प्रति प्रेरित करने की दिशा में स्कूली और कॉलेज स्तर पर पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। वहीं सरकारी और निजी स्तर पर लोक कला व संस्कृति के संरक्षण और प्रोत्साहन देने की जरूरत है।

खबर संक्षेप

स्वामी युगल शरण।

विलक्षण दार्शनिक धारावाहिक 16 दिवसीय प्रवचन कल से

रेवाड़ी। जगद्गुरू स्वामी कृपालु महाराज के मुख्य प्रचारक स्वामी युगल शरण की ओर से विलक्षण दार्शनिक धारावाहिक 16 दिवसीय प्रवचन का आयोजन गढ़ी बोलनी रोड स्थित यादव कल्याण सभा के कृष्ण भवन में 15 जुलाई से 30 जुलाई तक शाम 6:30 बजे से किया जा रहा है। स्वामी के आश्रम से मोहन दास व सुनील शर्मा ने कहा कि सनातन धर्म के वास्तविक मर्म को जन-जन तक पहुंचाना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। स्वामी युगल शरण ने वैज्ञानिक से संन्यासी बनने की अद्भुत यात्रा तय की है। स्वामी युगल शरण एक दार्शनिक, दूरदर्शी, आध्यात्मिक गुरू और ब्रज गोपिका सेवा मिशन के सह-संस्थापक हैं। स्वामी युगल शरण का जीवन आत्म अन्वेषण और भक्ति की शक्ति का जीवंत प्रमाण है।

शहर में जलभराव से लोगों को फिर हुई परेशानी

सावन के तीसरे दिन बारिश की झड़ी कई इलाकों में जमकर बरसे बदरा

रेवाड़ी। नई अनाजमंडी में जमा बरसात का पानी। व मॉडल टाउन में जमा बरसात का पानी। फोटो: हरिभूमि

लगभग एक सप्ताह तक मौसम इसी तरह का बना रहने की संभावना जताई जा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सावन माह शुरू होने के बाद तीसरे दिन रुक-रुककर बरसात होती रही, जिससे सावन की झड़ी शुरू हो गई। बारिश का सिलसिला कुछ दिन तक चल सकता है। कुछ इलाकों में तेज, तो कुछ इलाकों मे हल्की-मध्यम बारिश हुई। शहर के निचले इलाकों में एक बार फिर से लोगों को जलभराव की स्थिति का सामना करना पड़ा। लगभग एक सप्ताह तक मौसम इसी तरह का बना रहने की संभावना जताई जा रही है। शनिवार रात से ही बारिश का सिलसिला शुरू हो गया था। रिमझिम बारिश होने से तापमान में गिरावट आ गई।

उमस भरी गर्मी से लोगों को काफी हद तक राहत मिली। रविवार को भी सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। सुबह 9 बजे के बाद कई इलाकों में अच्छी बारिश हुई। अधिकतम तापमान 2.5 डिग्री गिरकर 31.0 डिग्री पर आ गया। रात का तापमान भी 1.5 डिग्री की गिरावट के साथ 20.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में गिरावट आने से मौसम का मिजाज ठंडा पड़ गया, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिल गई। शाम तक जिले में औसत 30 एमएम बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार लगभग एक सप्ताह तक मौसम में बार-बार परिवर्तन देखने को मिल सकता है। इस दौरान तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम तक बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में भारी बारिश होने का भी अनुमान है। यह बरसात सावन की झड़ी शुरू होने के संकेत दे रही है, जो कई दिनों तक चल सकती है।

रेवाड़ी। बावल रोड पर जमा बरसात का पानी। फोटो :हरिभूमि

कई स्थानों पर सड़कें टूटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शहर में कई स्थानों पर सड़कें टूटी हुई हैं। बारिश के बाद इन सड़कों का और बुरा हाल हो गया है। टूटी सड़कों के गड्ढों में एकत्रित पानी के कारण दुपहिया वाहन चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका बनी रहती है। रविवार को हुई बारिश के बाद शहर के निचले इलाकों में एक बार फिर से लोगों को जलभराव की समस्या का सामना करना पड़ा। भारी बारिश शहर में जलभराव की स्थिति को ज्यादा गंभीर बना सकती है। पानी निकासी की व्यवस्था पहले से कुछ हद तक ठीक हुई है, जिस कारण बारिश के बाद पानी जल्द नालों से निकल रहा है।

किसानों के चेहरे नजर आ रहे खुश

बार-बार हो रही बारिश से किसानों के चेहरे खुश नजर आ रहे हैं। बारिश से कपास और बाजरा दोनों फसलों को अच्छा फायदा मिल रहा है। हालांकि तीन दिन पहले कुछ गांवों में बरसाती पानी से फसलों को नुकसान भी हो चुका है। इसके बावजूद लगभग 100 हजार हेक्टयेयर में खड़ी फसलों को बारिश से अच्छा फायदा मिल रहा है। कपास और बाजरे का अच्छा उत्पादन होने की संभावना बन गई हैं।

किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचा सकता है रक्तदान : डा. रविन्द्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। ब्लड बैंक टीम का सम्मान करते युवा एकता क्लब के सदस्य।

गांव औलांत में युवा एकता क्लब के स्थापना दिवस पर रक्तदान शिविर व पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। नागरिक अस्पताल ब्लड बैंक की टीम ने कैंप में 43 यूनिट रक्त संग्रह किया। शिविर में मुख्य अतिथि डा. रविन्द्र सिंह पाली मुख्य चिकित्सा अधिकारी जाटूसाना थे। सरकारी अस्पताल ब्लड बैंक के इंचार्ज डा. संदीप यादव की टीम के सहयोग से कैंप सम्पन्न हुआ। इस मौके पर डा. रविन्द्र सिंह ने कहा रक्तदान से बढ़कर दुनिया में कोई भी पुण्य का कार्य नहीं है।

रक्तदान किसी भी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचा सकता है। क्लब के प्रधान डा. राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि क्लब का उद्देश्य रक्तदान के प्रति जागरूकता पैदा करना है। इस मौके पर क्लब की ओर से गांव में अनेक जगह पौधे भी रोपित किए गए।

कार्यक्रम में युवा एकता क्लब के सचिव सतीश जोगी नंबरदार, महेंद्र शर्मा, विकास यादव, विक्रम यादव, नरेश यादव, नवीन शर्मा, देवांश, विकास शर्मा, रामभूल राजपूत, नवीन यादव, अनिल यादव पूर्व सरपंच औलांत, तुषार शर्मा, आदित्य जोगी, देव, युवराज, बिट्टू व निखिल राजपूत सहित क्लब के सभी सदस्य उपस्थित थे।

पौधरोपण स्वस्थ जीवन की ओर एक सशक्त कदम

श्रीराम शाखा व नीमा एनसीआर ने मिलकर चलाया पौधरोपण अभियान

- 100 फलदार, फूलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पौधे वितरित करते आयोजक। फोटो: हरिभूमि

पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को आरबीएस पब्लिक स्कूल में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारत विकास परिषद की श्रीराम शाखा और नीमा रेवाड़ी एनसीआर शाखा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में 100 फलदार, फूलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। शाखा के सदस्यों ने जामुन, पपीता, अनार, गुलाब व चमेली जैसे पौधे रोपित किए। इस मौके पर श्रीराम शाखा के अध्यक्ष सीए जतिन सैनी ने कहा कि वृक्ष केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि मानवता के लिए जीवन का आधार भी हैं। बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम एवं जिम्मेदारी का भाव उत्पन्न करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। नीमा रेवाड़ी एनसीआर के महासचिव डा. दिनेश वर्मा ने कहा कि प्रदूषण का स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ता है। पौधरोपण स्वस्थ जीवन की ओर एक सशक्त कदम है और इसे एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में निभाना चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक तथा पूर्व अध्यक्ष सीए जितेश अग्रवाल ने भी अभियान में योगदान दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या ऋतु ओबरॉय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। विद्यार्थियों ने पौधरोपण के बाद विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया। इस अवसर पर श्रीराम शाखा के सचिव सचिन सिंघल, कोषाध्यक्ष सीए अमन गुप्ता, डा. दीपक यादव, डा. प्रशांत यादव, डा. रवि यादव, सीए रॉकी, मोहित गोयल, सीएस सचिन गुप्ता, सीए कश्यप गुप्ता, सीए सुमित सतीजा, सीएस आकाश बत्रा, राहुल जैन, सीए निधि गौतम, रुचि अग्रवाल, पूजा सैनी, इधिका, योहान, रूजल तथा नीमा एनसीआर से डा. दिनेश बोड़वाल, डा. आशीष वाधवा, डा. किरण, डा. विकास कुमार, डा. रमन, डा. अमित यादव, डा. लतेश , डा. अपर्णा वाधवा, डा. ममता वशिष्ठ, डा. शानू बोड़वाल व डा. प्रतिभा बत्रा मौजूद थे।

रेवाड़ी। ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए चयनित खिलाड़ी। फोटो: हरिभूमि

स्टेट ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ियों का हुआ चयन

रेवाड़ी। रविवार को आरपीएस स्कूल दिल्ली रोड में ताइक्वांडो ओपन ट्रायल का आयोजन किया गया, जिसमें सीनियर बॉयज और गर्ल्स ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ट्रायल में जनरल सेक्रेटरी पवन चौधरी ने योगदान दिया और स्कूल के प्रिंसिपल विक्रम यादव भी मौजूद थे। ट्रायल के बाद चयनित खिलाड़ियों की घोषणा की गई, जिसमें सीनियर बॉयज में अंडर-54 किलोग्राम भार वर्ग में नवीन और त्रिवेंद्र, अंडर-58 किलोग्राम में अंश और अमन, अंडर-63 किलोग्राम में देव, अंडर-68 किलोग्राम में दीपक और यश और अंडर-74 किलोग्राम में मयंक का चयन हुआ। सीनियर गर्ल्स अंडर-46 किलोग्राम में गुंजन और अंडर-62 किलोग्राम में अर्चिका का चयन किया गया। सभी चयनित खिलाड़ी जल्द ही हरियाणा स्टेट ताइक्वांडो चैंपियनशिप में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस मौके पर जनरल सेक्रेटरी पवन चौधरी ने कहा उम्मीद जताई कि खिलाड़ी राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करके जिले को गौरवान्वित करेंगे।

कांवड़िए वाहनों पर नहीं बजा सकेंगे डीजे

कनीना। बाघेश्वर धाम बागोत में 23 जुलाई को आयोजित होने वाले कांवड़ मेले को लेकर प्रशासन की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जिलाधीश डॉ. विवेक भारती ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत 23 जुलाई तक महेंद्रगढ जिले में कांवड़ियों के वाहनों पर डीजे बजाने व अपने साथ घातक हथियार लेकर चलने तथा रखने पर पाबंदी लगा दी है। उन्होंने कहा कि सावन माह के चलते 23 जुलाई तक शिवरात्रि पर कांवड़ यात्रा व मेला शुरू होने जा रहा है। इस दौरान कांवड़ियों की ओर से वाहनों में डीजे अथवा लाऊड स्पीकर आदि लगाकर तेज आवाज में बजाया जाता है। जिससे ध्वनि प्रदूषण व दुर्घटना को बढ़ावा मिलता है। कांवड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए शिवरात्रि तक कांवड़ियों के वाहनों पर डीजे लगाने व बजाने के अलावा शस्त्र तलवार, बरछा, कुल्हाड़ी, हॉकी, बैट, जेली, चाकू, साइकिल चेन व अन्य वस्तुएं जिन्हें घातक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता हो, को लेकर चलने व रखने पर प्रतिबन्ध रहेगा।

पेड़-पौधे आने वाली पीढ़ियों के लिए एक अनमोल उपहार: योगी

- गोशाला परिसर में एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत बड़, पीपल, नीम व पिलखन के पौधे लगाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। गांव में पौधरोपण करते सरपंच व ग्रामीण। फोटो :हरिभूमि

गांव कनूका में भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष और गांव के सरपंच जयवीर योगी के नेतृत्व में गोरक्षा सेवा धाम गोशाला परिसर में एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत बड़, पीपल, नीम व पिलखन के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर योगी ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी ग्रामीणों से अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की तथा उनके पेड़ बनने तक संरक्षण करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एक पौधा मां के नाम अभियान का उद्देश्य केवल पौधरोपण नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव के माध्यम से प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी विकसित करना है। पेड़-पौधे न केवल पर्यावरण को स्वच्छ बनाते है, बल्कि यह हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक अनमोल उपहार है। इस अवसर पर गोशाला संचालक विजयपाल योगी, राकेश राजपूत, कर्मवीर, पवन, मोनू, केशू राम, डा. अनिल चौधरी व अजीत सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे।

श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ कथा दो से

महेंद्रगढ़। श्री सतगुरू सेवा समिति की ओर से आयोजित होने वाली 25वीं श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह को लेकर समिति सदस्यों द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति प्रधान सुरेश ने की। बैठक में सर्वसम्मति से दो अगस्त से श्रीमद्भागवत कथा कराने का निर्णय लिया गया। बैठक में श्रीमद्भागवत कथा की तैयारियों को लेकर भी चर्चा की गई। इस सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथावाचक संत स्वामी श्रीरामप्रपन्नाचार्य महाराज अपने मुखारविंद से श्रद्धालुओं को कथा का रसपान करवाएंगे। समिति सदस्य सुरेश व दलीप शर्मा ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा श्री रामलीला परिषद में आयोजित की जाएगी। कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। कलश यात्रा रामलीला परिषद से शुरू होकर शहर के मुख्य बाजारों से होकर कथा स्थल पर समाप्त होगी। कलश यात्रा में भाग लेने वाली महिलाएं समिति के सदस्यों से अपना कूपन लेना होगा। उन्होंने बताया कि नौ अगस्त को हवन-यज्ञ व प्रसाद वितरण के साथ समापन होगा। इस अवसर पर मनोज, दलीप शर्मा, प्रेम, संजीव, धर्मबीर, कुशम देवी, सुषमा देवी, खुशीराम कौशिक, प्रदीप मास्टर, राजीव खुराना, अमित गोयल व संदीप चौधरी आदि उपस्थित थे।

शहीदों की याद में फिदेड़ी के शिव मंदिर से पौधरोपण अभियान का शुभारंभ

- पीपल व बरगद के पेड़ ऑक्सीजन के बड़े स्रोत हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुंड

रेवाड़ी। फिदेड़ी के शिव मंदिर में पौधरोपण करते हुए लोग। फोटो :हरिभूमि

रविवार को गांव पीथड़ावास में युवाओं ने पौधरोपण अभियान चलाया। सेवानिवृत्त वायु सेना अधिकारी सतीश यादव के नेतृत्व में युवाओं ने गांव की बणी में सैंकड़ों की संख्या में पीपल व बरगद के पौधे लगाकर उनका संरक्षण सुनिश्चित किया। सरपंच प्रतिनिधि मोहित कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए युवाओं का सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि पीपल व बरगद के पेड़ ऑक्सीजन के बड़े स्रोत हैं। उन्होंने बताया कि युवाओं की टीम पौधों की सुरक्षा के लिए तार व बाड़ लगाकर भी सुरक्षा प्रदान करने करती है।

पर्यावरण प्रेमी हुकम चंद एडवोकेट ने कहा कि आज के लगाए गए पौधे कुछ वर्ष बाद पेड़ बनकर लाखों जीव जंतुओं व प्राणियों को लाभ पहुंचाएंगे। इस अवसर पर सुजीत कुमार यादव, समाजसेवी अमृत कुमार, प्रवक्ता यशवंत राव, अध्यापक मुकेश कुमार, महेश कुमार, चंचल राव सदस्य हिंदू युवा वाहिनी, नीरज यादव पूर्व पंच, विजय पाल हवलदार, मनोज कुमार शर्मा, सुजीत यादव, संदीप कुमार व रोहतास सिंह सहित अनेक युवा मौजूद थे।

कार्यक्रम सावन माह में भगवान शिव की उपासना का कार्यक्रम आयोजित

सत्य ही शिव है-शिव ही सुंदर है का आयोजन किया गया

भगवान भोलेनाथ श्रद्धापूर्वक बेलपत्र, फूल व फल का भोग लगाने से प्रसन्न हो जाते है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते आयोजक। फोटो: हरिभूमि

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को पंजाबी धर्मशाला में भगवान शिव की उपासना का कार्यक्रम सत्य ही शिव है-शिव ही सुंदर है का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि नई दिशा युवा मंच के अध्यक्ष एडवोकेट निशांत यादव, बाबा फरीद सेवा ट्रस्ट के संयोजक दिनेश राजपाल, राष्ट्रीय व्यापार सेवा संघ के जिला प्रधान दीपेश भार्गव व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि भगवान शिव का जीवन सुंदर संदेश देता है। भोलेनाथ के परिवार की विशेषता यह है कि सभी विपरीत स्वभाव के हैं, लेकिन भोलेनाथ के संग सभी प्रेम पूर्वक रहते हैं। एचएमवीए के जिला प्रधान राम रतन यादव, शिक्षाविद राजेंद्र सिंह यादव, प्रोफेसर सीएल सोनी व प्रधान अरुण गुप्ता ने कहा कि भगवान भोलेनाथ सभी को उनकी श्रद्धा अनुसार धन-धान्य, संतान व अन्य वस्तुएं प्रदान करते हैं, लेकिन स्वयं अपने शरीर पर भस्म रमाकर कैलाश पर्वत पर निरंतर ध्यान में मगन रहते हैं। महिला प्रधान निशा सीकरी, पूर्व नगर प्रधान सरोज भारद्वाज व पार्षद सुचित्रा चांदना ने कहा कि भगवान भोलेनाथ श्रद्धापूर्वक बेलपत्र, फूल व फल का भोग लगाने से प्रसन्न हो जाते हैं व मनचाहा फल प्रदान करते हैं। संस्था की ओर से अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरज शर्मा जांगड़ा, समाजसेवी अनिल आर्य, दयानंद आर्य, पर्यावरणविद् राजेंद्र गेरा व सुनीता शास्त्री को सम्मानित किया गया तथा अतिथियों को महापुरुषों के चित्र भेंट किए गए। कार्यक्रम में शिक्षाविद देवेंद्र कुमार, जगदीश मखीजा, कपिल कपूर, ओजस्वी, पूर्वांशी, प्रीति, सोनिया कपूर, हिमांशु व उमा रानी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

जाम में फंसा दिल्ली-जयपुर हाइवे, बनीपुर चौक पर कई किमी लंबा जाम, चार किमी की दूरी तीन घंटे में

1. दिल्ली व जयपुर के बीच आवागमन करने वाले वाहन फंस, एनएचएआई के अधिकारी नहीं कर रहे पुलिस की कोई परवाह
2. मुख्य मार्ग पुल निर्माण का कार्य अधर में लटका होने के कारण दो साल से बंद पड़ा

रेवाड़ी। हाइवे पर जाम में फंसे वाहन व गड्ढे से कार निकालते युवक व बनीपुर चौक के पास अधूरा पड़ा पुल का कार्य और एसआई अर्जुन सिंह। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

देश के प्रमुख नेशनल हाइवे में से एक दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर बनीपुर चौक के पास सर्विस रोड बारिश के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। मुख्य मार्ग पुल निर्माण का कार्य अधर में लटका होने के कारण दो साल से बंद पड़ा है। सुबह से लेकर शाम तक जाम की समस्या बनी हुई है। एनएचएआई के अधिकारी पुलिस तक को संतोषजनक जवाब नहीं दे रहे हैं। ट्रैफिक पुलिस के लिए भी इस चौक पर जाम खुलवाना आफत बना हुआ है।

लगभग 24 घंटों से जाम सुचारू होने का नाम नहीं ले रहा है। आलम यह है कि करीब चार किलोमीटर की दूरी तय करने में वाहनों को तीन घंटे तक का समय लग रहा है।

इस प्रमुख नेशनल हाइवे पर बनीपुर चौक पर फ्लाईओवर का निर्माण कार्य लगभग दो साल पहले शुरू हुआ था। निर्माण करने वाली कंपनी निर्धारित समय पर पुल नहीं बना सकी, जिस कारण एनएचएआई ने उसे ब्लैकलिस्ट करने का निर्णय लिया था। दिल्ली व जयपुर के बीच आवागमन करने वाले वाहन अब सर्विस लेन से ही इस चौक को क्रॉस करते हैं। बारिश का मौसम शुरू होने के बाद वाहनों के भारी दबाव ने सर्विस रोड को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया है। सड़क टूटने के कारण इसमें वाहन फंसते रहते हैं, जिससे नेशनल हाइवे पर लंबा जाम लग जाता है। टूटे सर्विस रोड के कारण गत शनिवार शाम से ही लंबा जाम लग रहा है। वाहन रेंगते हुए चल रहे हैं। जाम के दौरान महिलाओं से लेकर बच्चों तक को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। बनीपुर चौक से लेकर जयसिंहपुर खेड़ा बैरियर तक वाहनों की लंबी लाइनें लग रही हैं, जिससे वाहन चालकों को घंटों जमा में फंसे रहना पड़ रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वह एनएचएआई के जयपुर कार्यालय से कई बार संपर्क कर चुके हैं, परंतु प्राधिकरण के अधिकारी संतोषजनक जवाब तक नहीं दे रहे हैं। सड़क की मरम्मत किए बिना जाम की समस्या से निकल पाना संभव नहीं है।

गहरा सकती है जाम की समस्या : इस नेशनल हाइवे से बड़ी संख्या में हरियाणा और राजस्थान के कांवड़िए गुजरते हैं। जल्द ही कांवड़ियों के लौटने का सिलसिला शुरू होने वाला है। इससे पहले ही हाइवे पर जाम के हालात बद से बदतर हो रहे हैं। कांवड़ियों के आने पर जाम के हालात और बिगड़ सकते हैं। देश की राजधानी से राजस्थान की राजधानी के बीच सफर करने वाले लोगों के लिए यह एरिया भारी परेशानी का सबब साबित हो रहा है। रोडवेज बसें भी लगातार जाम में फंसने के कारण निर्धारित समय पर नहीं पहुंच पा रही हैं।

गांवों में भी बने जाम जैसे हालात

नेशनल हाइवे पर वाहनों की लंबी लाइनें लगने के कारण खेड़ा बॉर्डर से लेकर कसोला चौक तक वाहन चालक गांवों के रास्तों को विकल्प के रूप में चुन रहे हैं। इससे गांवों के तंग रास्तों व गलियों में वाहन फंस रहे हैं। दो दर्जन से अधिक गांवों में वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं, जिससे ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ रही है। बड़ी संख्या में वाहनों के गुजरने से इन गांवों की सड़कें भी टूटने लगी हैं। बारिश और अधिक होने के साथ ही इस हाइवे पर जाम की समस्या और गंभीर होने की आशंका बनी हुई है।

नेशनल हाइवे के अफसर बेपरवाह

मेन हाइवे होने के कारण जाम का संकट लगातार गहराता जा रहा है। सड़क रिपेयर होने तक इस समस्या से निजात नहीं मिल सकती। कई बार एनएचएआई के अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, परंतु वह एक-दूसरे का नंबर देकर टाल रहे हैं। पब्लिक जाम के कारण बुरी तरह परेशान है।

-अर्जुन सिंह, एसआई, कसोला थाना।

रेवाड़ी। गांव में पौधारोपण करते सरपंच व ग्रामीण।

युवाओं ने पीथड़ावास की बणी में पीपल व बरगद के पौधे लगाए

कुंड। रविवार को गांव पीथड़ावास में युवाओं ने पौधारोपण अभियान चलाया। सेवानिवृत्त वायु सेना अधिकारी सतीश यादव के नेतृत्व में युवाओं ने गांव की बणी में सैंकड़ों की संख्या में पीपल व बरगद के पौधे लगाकर उनका संरक्षण सुनिश्चित किया। सरपंच प्रतिनिधि मोहित कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए युवाओं का सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि पीपल व बरगद के पेड़ ऑक्सीजन के बड़े स्रोत हैं। उन्होंने बताया कि युवाओं की टीम पौधों की सुरक्षा के लिए तार व बाड़ लगाकर भी सुरक्षा प्रदान करने करती है। इस अवसर पर सुजीत कुमार यादव, समाजसेवी अमृत कुमार, प्रवक्ता यशवंत राव, अध्यापक मुकेश कुमार, महेश कुमार, चंचल राव सदस्य हिंदू युवा वाहिनी, नीरज यादव पूर्व पंच, विजय पाल हवलदार आदि रहे।

बावल विधायक ने किया बारिश से प्रभावित गांवों का दौरा, पानी निकासी के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

बावल विधानसभा क्षेत्र के खंड खोल में सामान्य से भी ज्यादा बारिश होने के कारण जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है।रविवार को बावल विस क्षेत्र के विधायक डा. कृष्ण कुमार ने बारिश से प्रभावित गांवों का दौरा किया।

विधायक ने गांव नांगल जमालपुर, बासदुदा व कोलाना गांव का दौरा कर अधिकारियों को जलभराव से समाधान की दिशा में कदम उठाने के निर्देश दिए। विधायक ने निरीक्षण के दौरान सिंचाई और पंचायत विभाग को ट्रैक्टर, मोटर पंप व अन्य जल निकासी प्रबंध करते हुए पानी की निकासी करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि पानी निकासी के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। विधायक ने गांव नांगल जमालपुर में एक बस्ती का दौरा किया और आबादी वाले क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन मकानों को बारिश से नुकसान पहुंचा है, उनके नुकसान की भरपाई के लिए रिपोर्ट लेकर मुआवजे के लिए मुख्यमंत्री के सामने रखी जाएगी। गांव बासदुदा में भी विधायक ने जलभराव की स्थिति का आंकलन किया और बाबा भैरू मंदिर भी पहुंचे। विधायक ने कहा कि मानसून में इस बार सामान्य से भी ज्यादा बारिश हो गई, जिसके कारण ये हालत पैदा हो गए। इस अवसर पर अरविंद यादव कुंड, जयसिंह प्रजापति, सुभाष यादव ढाणी शोभा, राजीव कोलाना, धर्मबीर बासदुदा, बलबीर नांगल जमालपुर, नेमीचंद ढाणी शोभा व सुदेश सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

रेवाड़ी। जलभराव को लेकर ग्रामीणों से बात करते विधायक। फोटो : हरिभूमि

राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता के लिए 21 तक कर सकते आवेदन

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार के कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग की ओर से विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच देने और उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कल्पना को छूने दो आसमान थीम के साथ राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन 12 अगस्त को पंचकूला में किया जाएगा। डीआईपीआरओ दिनेश कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को दो आयु वर्गों में विभाजित किया गया है। पहली श्रेणी में 6 से 10 वर्ष तक के बच्चों को स्टोरी टेलिंग विषय पर पेंटिंग बनानी होगी, जबकि दूसरी श्रेणी में 11 से 16 वर्ष के प्रतिभागियों को माई विजन विषय पर चित्र बनाना होगा। उन्होंने बताया कि दोनों श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार के रूप में 7100, द्वितीय पुरस्कार 5100 तथा तृतीय पुरस्कार 2100 निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा पांच सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए इच्छुक विद्यार्थी 21 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं।

बिना मान्यता वाले प्ले स्कूलों पर प्रशासन सख्त कई संस्थानों को उल्लंघन करने पर नोटिस जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले में बच्चों के सुरक्षित एवं समग्र विकास को लेकर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से निर्धारित दिशा-निर्देशों की प्रभावी पालना के लिए जिला प्रशासन ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। डीसी अभिषेक मीणा ने सभी निजी प्ले स्कूल संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे बिना मान्यता के संचालन न करें अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन को मिली जानकारी में जिले में कई प्राइवेट प्ले स्कूल ऐसे पाए गए हैं, जो महिला एवं बाल विकास विभाग से अनिवार्य पंजीकरण या संबद्धता प्राप्त किए बिना संचालित हो रहे थे। डीसी ने ऐसे सभी संस्थानों को उल्लंघन नोटिस जारी कर तुरंत संचालन बंद करने के निर्देश दिए हैं।

डीसी ने कहा कि प्ले स्कूल भवन सुरक्षित, स्वच्छ व बच्चों के अनुकूल होना चाहिए। कक्षाओं का क्षेत्रफल मानकों के अनुसार होना चाहिए ताकि बच्चों को खुला व सुरक्षित वातावरण मिल सकें। स्वच्छ पेयजल, शौचालय व हाथ धोने की उचित व्यवस्था अनिवार्य है। सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन आवश्यक होगा। बच्चों को पौष्टिक नाश्ता व स्वच्छ खानपान उपलब्ध कराना जरूरी है। स्कूल परिसर में सीसीटीवी कैमरे व अग्निशमन यंत्र अनिवार्य है।

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा।

किसी भी अप्रिय घटना की जिम्मेदारी स्कूल प्रबंधन की होगी। बिना पंजीकरण या एनसीपीसीआर अनुमति के कोई भी प्ले स्कूल संचालित नहीं होगा। बच्चों के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही या शोषण की स्थिति में सख्त कार्रवाई की जाएगी। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी शालू यादव ने सभी प्ले स्कूल प्रबंधकों से आयोग के दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन करने की अपील की है ताकि नन्हें बच्चों को सुरक्षित, स्वस्थ एवं प्रोत्साहक वातावरण मिल सके।

उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर किशोर न्याय यानि बालकों की देखभाल एवं संरक्षण अधिनियम 2015 सहित अन्य लागू कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन का यह कदम बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा की दृष्टि से सराहनीय है। इस मुहिम से जिले में संचालित सभी प्ले स्कूलों में पारदर्शिता, सुरक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी।

डीसी ने अभिभावकों से आह्वान किया है कि वे अपने बच्चों का प्रवेश कराने से पहले स्कूल की मान्यता की स्थिति की भली-भांति जांच कर लें। मान्यता प्राप्त प्ले स्कूलों की सूची जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय, महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त की जा सकती है।

कोसली कोर्ट की लोक अदालत में 70 मामले निपटाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली की सिविल जज जूनियर डिवीजन निशा की अध्यक्षता में कोर्ट कैंपस में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें 70 मामलों का निपटारा करते हुए साढे 28 लाख से अधिक की राशि स्वीकृत की गई।

लोक अदालत में 468 मामले सुनवाई के लिए रखे गए, जिनमें बैंकिंग, फौजदारी, मोटर वाहन दुर्घटना अधिनियम, हिंदू मैरिज एक्ट व दीवानी के मामले शामिल थे। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद सिविल जज निशा ने इनमें से 70 मामलों का निपटान किया। इन मामलों में हर्जाने के तौर पर 28 लाख 66 हजार 958 रुपए की समझौता राशि स्वीकृत की गई। लोक अदालत में अधिवक्ताओं ने भी सक्रिय भूमिका निभाई। इस मौके पर सिविल जज निशा ने कहा कि लोक अदालत में किसी भी विवाद का जल्दी व सरल निपटारा हो सकता है। लोगों की कानूनी सहायता के लिए उपमंडल स्तर पर विधिक सेवा प्राधिकरण गठित किया गया है, जिसके चेयरमैन सीनियर डिवीजन एसीजे अशोक कुमार हैं। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को समय-समय पर आयोजित की जाने वाली लोक अदालत का लाभ उठाना चाहिए। इसमें दोनों पक्षों की ही जीत होती है।

रेवाड़ी। लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते हुए सिविल जज कुमारी निशा।

लोक अदालत में निपटाए 208 केस, दस लाख रुपये से अधिक का सैटलमेंट

बावल। सब ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अलोक आनंद की अध्यक्षता में बावल में लोक अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें 208 मामलों का निपटारा करते हुए 10 लाख रुपये से अधिक राशि का सैटलमेंट कराया गया।

इस लोक अदालत में 316 परिवाद रखे गए थे। इनमें से 208 परिवादों का निपटारा आपसी सहमति से कराया गया। लोक अदालत में बैंक रिकवरी से संबंधित 10 मामलों में से 6 का निपटारा कराते हुए 654911 रुपये की राशि सैटल कराई गई। 6 आपराधिक मामलों का निपटारा गया। टेलीफोन व बिजली से संबंधित अन्य मामलों में 176 का निपटारा मौके पर ही कराया गया। इस मौके पर जस्टिस अलोक आनंद ने कहा कि लोक अदालतों में आपसी सहमति से मामलों का निपटारा कराया जाता है। इससे लोगों के समय व पैसे की बचत होती है। लोगों को लोक अदालतों का पूरा फायदा उठाना चाहिए। लोक अदालतें सस्ते व सुलभ न्याय का माध्यम साबित हो रही हैं।

सतीश बने स्वामी समाज के नाहड़ खड़ प्रधान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

नाहड़ खंड के स्वामी समाज की बैठक रविवार को कोसली की रामरतन गर्ग धर्मशाला में समाज के जिला प्रधान सतीश महंत की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में स्वामी समाज की नाहड़ खंड कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस अवसर पर जिला ईकाई के वरिष्ठ उपप्रधान सतीश, सचिव एडवोकेट मनीष स्वामी व खजांची दिलीप स्वामी भी मौजूद थे। सर्वसम्मति से हुए चुनाव में मलेशियावास गांव के सतीश स्वामी को प्रधान, पवन स्वामी को वरिष्ठ उप प्रधान, सुरेंद्र स्वामी को महासचिव, रनवीर स्वामी को सचिव, राकेश स्वामी व सुनील स्वामी को मीडिया प्रभारी तथा संजीत स्वामी को खजांची बनाया गया।

जिला प्रधान सतीश महंत ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद व निष्ठा की शपथ दिलाई। इस मौके पर नवनियुक्त खंड प्रधान सतीश स्वामी ने कहा कि वे समाज में आपसी भाईचारे को बढ़ावा देने व समाज की कुरीतियों को दूर करने का प्रयास करेंगे तथा समाज की मजबूती के लिए काम किया जाएगा।

रेवाड़ी। स्वामी समाज की नाहड़ खंड कार्यकारिणी के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

मेघवाल समिति की सभा में समाज की उन्नति के विभिन्न मुद्दों पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रविवार को नयागांव दौलतपुर में मेघवाल उत्थान समिति की सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता भगवानदास मेघवाल ने की, जबकि संचालन समिति के सचिव भूपेन्द्र शेखपुर ने किया। इस अवसर पर समिति के सभी पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे। इस अवसर पर संरक्षक वेदप्रकाश एसडीओ ने कहा की बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज में प्रचलित अशोभनीय शब्दों को समाप्त कर मेघवाल शब्द को अपनाने के लिए जागरूकता फैलाना और सामाजिक एकता को बढ़ावा देना है। समिति अध्यक्ष सूरजभान व शिक्षाविद अशोक मेघवाल ने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने और मेघवाल समाज की उन्नति के लिए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। सभी सदस्यों ने एक स्वर में मेघवाल शब्द को अपनाने पर सहमति जताई। ईश्वर सिंह ने समाज से इस पहल का समर्थन करने की अपील की। इस अवसर पर अशोक मेघवाल, परमेश्वर खेड़ी डालूसिंह, लालचंद फोरमैन, भूपसिंह बलेवा, रतिपाल, महेंद्र, दारासिंह समाजसेवी, राहुल मास्टर, लक्ष्मीनारायण, चरणसिंह, जियोजित सिंह, लक्ष्मीनारायण व चरणसिंह सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

रेवाड़ी। बैठक में लोगों को संबोधित करते समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम त्वचा दिवस के उपलक्ष्य में लगाय शिविर बच्चों को स्किन रोगों पर दिया परामर्श

होली चाइल्ड स्कूल में स्वास्थ्य कैंप का किया आयोजन

- आईएडीवीएल की ओर से पूरे भारत के 800 स्थानों पर एक साथ कैंप आयोजित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल में रविवार को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए त्वचा, बाल और नाखून जांच के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन त्वचा दिवस के उपलक्ष्य में किया गया। इस अवसर पर आईएडीवीएल से त्वचा रोग विशेषज्ञ डा. दीपक शर्मा जिला अध्यक्ष आईएमए, डा. केके कत्याल, डा. कृतिका पांडे, डा. मनीष कुमार, डा. भावना भुराड़िया, डा. संजय वत्स, डा. अजीत सिंह एवं डा. रेखा यादव ने सेवाएं प्रदान की। शिविर में विद्यार्थियों की त्वचा, बाल और नाखूनों की जांच की गई तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया। सभी को निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। डॉक्टर्स टीम ने बच्चों को दैनिक स्वच्छता, संतुलित आहार, त्वचा संबंधी रोगों से बचाव और पर्यावरणीय प्रभावों को लेकर उपयोगी सुझाव दिए। आईएडीवीएल की ओर से पूरे भारत के 800 स्थानों पर एक साथ कैंप आयोजित किया गया, जो एक विश्व रिकॉर्ड बनने की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। होली चाइल्ड पब्लिक स्कूल में आईएडीवीएल के सहयोग से पहली बार कैंप आयोजित किया गया। इस मौके पर स्कूल के डायरेक्टर अनिरुद्ध सचदेवा ने डॉक्टर्स टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर समूचे समाज को स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाने का कार्य करते हैं। कैंप में करीब 200 लोगों ने लाभ उठाया।

रेवाड़ी। कैंप में बच्चों की जांच करते डॉक्टर व डॉक्टर्स टीम का स्वागत करते स्कूल डायरेक्टर। फोटो : हरिभूमि